कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#5. 'धरती कब तक घुमेगी (राजस्थानी कहानी)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न #1. सीता की स्थिति बच्चों के किस खेल से मिलती जुलती है? [2020AII]

उत्तर : सीता की स्थिति बच्चों के **'माई-माई रोटी दे'** वाली खेल से मिलती-जुलती है। इस खेल में एक बच्चा **भिखारिन** बनकर बारी-बारी से दूसरों के पास जाकर **'माई-माई रोटी दे'** कहता है। उसे उत्तर मिलता है **'यह घर छोड़, दूसरे घर जा'**। सीता सोचती है कि महीना होते ही बेटा कह देता है, **'भाई यह घर छोड़, दूसरे घर जा'** और वह अगले घर के लिए रवाना हो जाती है।

प्रश्न #2. सीता अपने ही घर में क्यों घुटन महसूस करती है? [2011A, 2014AI, 2017AII, 2018AI, 2019AII, 2024AI]

उत्तर : सीता के पति के मरने के बाद उसके **तीनों बेटे और बहुएँ उसे बोझ समझने लगे थे**। बेटों ने सीता के लिए **पाली बाँधकर** (बारी-बारी से एक-एक बेटे के घर रहने का) इंतजाम किया। जब बेटों ने मिलकर उसे **प्रतिमाह पचास रुपये देने का निर्णय** लिया , तो सीता को यह व्यवस्था **घुटन** जैसी लगने लगी। उसे लगा कि वह **बेटों के इशारों पर कितने दिनों तक घूमेगी**। इन्हीं कारणों से वह अपने ही घर में घुटन महसूस करती थी।

कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#5. 'धरती कब तक घुमेगी (राजस्थानी कहानी)

प्रश्न #3. 'धरती कब तक घुमेगी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें? [2015AII]

उत्तर : राजस्थानी भाषा के प्रमुख कहानीकार **साँवर दइया** द्वारा रचित **'धरती कब तक घूमेगी' शीर्षक कहानी सामाजिक विडम्बनाओं को चित्रित करती है**। इस कहानी की प्रधान नायिका **सीता** है, जो पति के मरने के बाद **तुच्छ और निराश्रयी** हो जाती है और उसके बेटे उसे **बोझ** समझने लगते हैं। बेटों द्वारा **पाली बाँधने** और फिर **प्रतिमाह पचास रुपये** देने के निर्णय से सीता को **घुटन** होने लगती है। वह सोचती है कि धरती तो अपने कील पर निरन्तर घूमती रहती है , पर **वह (माँ) बेटों के इशारों पर कितने दिनों तक घूमेगी**। अंततः एक दिन वह **रात्रि में घर से निकल जाती है**। अतः कहानी का शीर्षक **सार्थक और सटीक** है ।

प्रश्न #4. सीता को किस दिन लगा कि 'लापसी' बिलकुल फीकी है? 'लापसी' खाते समय उसे कैसा महसूस हो रहा था? [2022AI]

उत्तर : सीता को **'नाहरसिंहजी वाले दिन'** को लगा कि **'लापसी बिल्कुल फीकी है'**। लापसी खाते वक्त उसे **गले में अटकने जैसा महसूस हो रहा था**।

कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#5. 'धरती कब तक घुमेगी (राजस्थानी कहानी)

प्रश्न #5. सीता किस बुरे दिन की बात याद करती है? [2025AI]

उत्तर : सीता अपने **पति के मरने के बाद** के उस बुरे दिन की बात याद करती है, जब उसके **तीन बेटों** के लिए वह **बोझ** बन गई थी।

यह बुरा दिन तब आया जब:

1. **तीनों बेटों (कैलाश, नारायण और बिरजू) ने मिलकर** उसे एक-एक महीने तक **बारी-बारी** से अपने घर पर रखकर खिलाने का **नियम (पाली)** बनाया। यह निर्णय सीता के आत्म-सम्मान के लिए घुटन भरा था।
2. हालाँकि, सबसे अपमानजनक निर्णय वह था जब एक बेटे **नारायण** के प्रस्ताव पर **बेटों ने सीता को प्रतिमाह पचास-पचास रुपए देने का फैसला** लिया, ताकि वह अपना खाना खुद बना सके।

सीता को यह **घुटन भरा और अपमानजनक** निर्णय एक बुरे दिन की तरह याद आता है, जिसने उसे महसूस कराया कि बेटों के इशारों पर वह धरती पर बोझ बनकर **कितने दिनों तक घूमेगी**।

प्रश्न #6. बहुओं की आपसी लड़ाई पर सीता (माँ) की कैसी प्रतिक्रिया होती है? [2025AII]

उत्तर : इस प्रश्न का सीधा उत्तर उपलब्ध दस्तावेज़ में पूरी तरह से नहीं दिया गया है।

हालाँकि, कहानी के संदर्भ से यह स्पष्ट है कि **बहुओं की आपसी लड़ाई** के कारण ही सीता को तीनों बेटों के घर **बारी-बारी से (पाली बाँधकर) रहना** पड़ता था। इस पूरी व्यवस्था के कारण सीता **घुटन** महसूस करने लगी थी और अंत में, उसने **अपने बेटों के घर को छोड़कर** जाने का निर्णय लिया।